भारत सरकार
Government of India
केन्द्रीय जल आयोग
Central Water Commission
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय
Flood Forecast Monitoring Directorate
Tele/ Fax: 011-26106523, 26105274 e-mail : fmdte@cwc.gov.in, ffmcwc@gmail.com

दूसरा तल, दूसरा विंग (दक्षिण), पश्चिमी खण्ड–2,
रामाकृष्ण पुरम, नई दिल्ली–110066

विषय : दिनांक 21/08/19 की समाचार की कतरन (News Clippings) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन (News Clippings) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

संलग्न : उपरोक्तानुसार

21/8/19
EAD (HM)
(सहायक निदेशक)

उपनिदेशक 21/8/19

निदेशक (बा.पू.प्र.)

~~कृपया केन्द्रीय जल आयोग की वेब साईट पर अपलोड करने की व्यवस्था करें।~~

~~निदेशक (तकनीकी प्रलेखन)~~

दिनांक 21.08.19 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

उफान पर यमुना, आज रात से राहत मिलने के आसार

Sunil Kataria

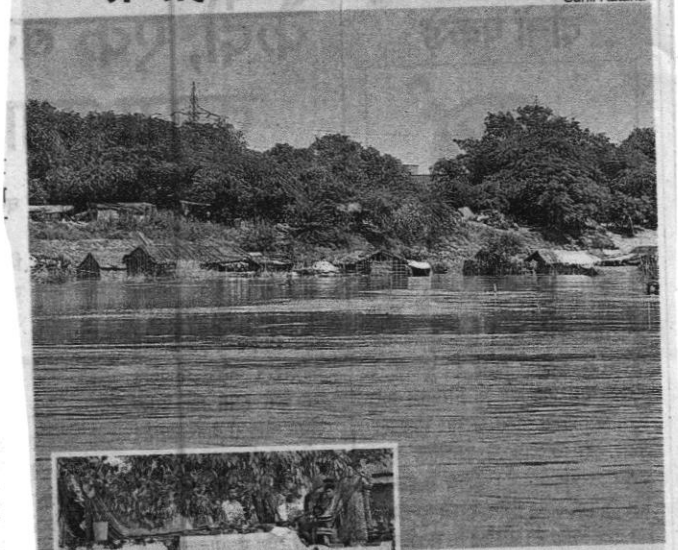

दिल्ली में खतरे के निशान से करीब एक मीटर ऊपर बह रही यमुना ने निचले इलाकों में मुश्किलें बढ़ा दीं। यमुना बाजार घाट के पास तलहटी में बने घरों में से कई आधे पानी में डूब गए। पानी का बहाव घटा तो आज रात से राहत संभव है। जलस्तर बढ़ने पर पुरानी दिल्ली में लोहे के पुल पर ट्रेनें भी रोक दी गईं। ▸▸पेज 4

दिनांक 21/08/19 ..... को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाईम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)
The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)
The Deccan Hearld (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Reuters

कई इलाकों में भरा पानी, लोगों तक पहुंचाई जा रही है मदद

Photos : Sunil Kataria

निचले इलाकों से लोगों को टेंटों में शिफ्ट किया जा रहा है

NBT 21

इंच-इंच बढ़ रहा है बाढ़ का खौफ

207.08 मीटर तक पहुंच सकता है आज यमुना का जलस्तर

■ **वस, नई दिल्ली :** हथिनी कुंड बैराज से रविवार को जो 8.28 लाख क्यूसेक पानी यमुना में छोड़ा गया था, उसका प्रभाव अब दिल्ली के निचले इलाकों में नजर आने लगा है। वजीराबाद से लेकर जैतपुर तक निचले इलाकों में स्थित खेत पूरी तरह से पानी डूब चुके हैं। रात नौ बजे तक यमुना का जलस्तर 206.36 मीटर रेकॉर्ड किया गया, जो खतरे के निशान से करीब 1.03 मीटर ऊपर है। अनुमान है कि बुधवार दोपहर जलस्तर 207.08 मीटर तक पहुंच जाएगा।

एसडीएम (हेडक्वॉर्टर) के अनुसार, यमुना के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है और प्रवाह तेज हो गया है। वजीराबाद से यमुना के बीच में गंदगी के चलते प्रवाह में कुछ अवरोध थे। लेकिन, अब वह अवरोध साफ हो गया है और पानी का बहाव भी तेज हो गया है। इसलिए जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इससे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को भारी खतरा है। उन्हें तुरंत इन इलाकों को छोड़कर ऊंचाई पर जाने के लिए कह दिया गया है। अफसरों का यह भी कहना है कि रविवार के बाद बैराज से पानी छोड़ने की मात्रा काफी कम हो गई है। इसलिए उम्मीद है कि बुधवार देर रात से जलस्तर में कमी आए।

घाट के कई घर पानी में डूबे, लोगों ने छतों पर डेरा डाला

■ **वस, नई दिल्ली :** यमुना के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी के चलते निचले इलाकों में रहनेवालों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यमुना बाजार घाट के पास जितने भी घर तलहटी में बने हैं, उनमें से कई घर आधे पानी में डूबे चुके हैं। निगमबोध घाट पर चिताओं को सजाने के लिए जो शेड बनाए गए हैं, वह भी आधे तक पानी में डूबे हुए हैं। इससे अंतिम संस्कार के काम में थोड़ी दिक्कत आ रही है।

यमुना बाजार में रहने वाले गणेश पंडित के अनुसार, लोहे वाले पुल से पहले और निगमबोध घाट तक यमुना बाजार में कुल 32 घाट हैं। हर घाट के पास 5 या 7 घर हैं। घाट के पास जितने भी घर बने हैं, सभी यमुना के बिल्कुल ही निचले इलाके में हैं। इसलिए इन घरों में बीती रात से ही पानी घुसना शुरू हो गया था। दोपहर तक स्थिति बिल्कुल ही खराब हो गई। जो घर तलहटी में बने हैं, वे आधे पानी में डूबे हुए हैं। लोग घरों की छत पर रह रहे हैं। कुछ लोगों को घाट नंबर-16 के पास राहत कैंप में शिफ्ट किया गया है। यमुना बाजार घाट के पास स्थित निगम बोध घाट का निचला हिस्सा भी जलस्तर बढ़ने से पानी में डूब गया है। एमसीडी अफसरों का कहना है कि घाट का जो हिस्सा पानी में डूबा है, वहां 9 या 10 चिताएं सजाई जाती थीं। अंदर जो शेड बने हैं, उनमें 80-90 चिताएं सजाने की व्यवस्था है। जलस्तर बढ़ने के चलते बेला गांव और हाथी घाट के पास निचले इलाकों में खेती करने वाले लोगों ने जो घर बनाया है, उन घरों में भी पानी घुस गया है। मॉनेस्ट्री की दीवार तक पानी धीरे-धीरे पहुंच रहा है। इसके अलावा कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास यमुना घाट से आने के लिए जो रास्ता है, उसके बीच पानी भरा हुआ है।

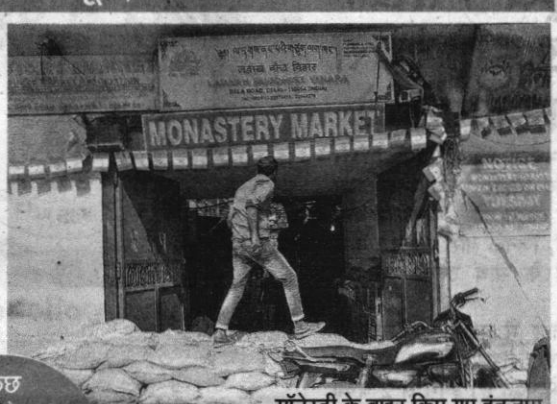

मॉनेस्ट्री के बाहर किए गए इंतजाम

कुछ लोगों को घाट नंबर-16 के पास राहत कैंप में शिफ्ट किया गया है

हमारी भैंस-बकरियां कहां जाएं, पूछ रहे लोग

■ **वस, नई दिल्ली :** प्रशासन ने निचले इलाकों को खाली कराने का अभियान मंगलवार से और तेज कर दिया है, लेकिन मयूर विहार, डीएनडी, गीता कॉलोनी और आईटीओ के आस-पास के इलाकों में कई लोग अब भी अपनी झुग्गियों में ही रह रहे हैं। उनका कहना था कि जब पानी उनके घर के नजदीक आएगा, तो वो टेंटों में चले जाएंगे। अभी वे अपना घर नहीं छोड़ना चाहते। इसके अलावा, जिनके पास भैंस, बकरियां, ऊंट आदि जानवर भी हैं, उन्हें यह चिंता सता रही है कि उनके पालतू पशु कहां जाएंगे। मंगलवार को प्रशासन ने आईटीओ, मयूर विहार, अक्षरधाम, गीता कॉलोनी में यमुना के निचले इलाकों से कई लोगों को टेंटों में शिफ्ट करवाया। हालात को देखते हुए अतिरिक्त टेंटों की भी व्यवस्था की जा रही है। विकास मार्ग के दोनों तरफ और हाथी घाट के आस-पास कुल 150 टेंट लगाए गए हैं, जबकि अक्षरधाम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और गीता कॉलोनी पुश्ता के आस-पास भी बाढ़ प्रभावितों के रहने के इंतजाम किए गए हैं। रिंग रोड बायपास के आस-पास यमुना के नजदीकी इलाकों में बाढ़ के पानी को दाखिल होने से रोकने के लिए रेत और मिट्टी की बोरियां भर भरकर भी जगह-जगह पहुंचाई और लगवाई जा रही हैं।